

कुरआन की सबसे महानतम आयत की सरल व्याख्या: आयतुल कुरसी

रेटिंग: **TOP20**

विवरण: ?? ??? ????? ?????? ?? ??? ????? ?? ????? ????? ?? ????? ??? ???????

श्रेणी: [पाठ](#) > [पवित्र कुरआन](#) > [चयनित छंद की व्याख्या](#)

द्वारा: Imam Mufti

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

आवश्यक शर्तें

·अल्लाह पर विश्वास (2 भाग)

उद्देश्य

·सरल भाषा में आयतुल कुरसी का अनुवाद और व्याख्या सीखना।

अरबी शब्द

·???? - प्रभुत्व, नाम और गुणों के संबंध में और पूजा की जाने के अधिकार में अल्लाह की एकता और विशिष्टता।

·???? - आस्तिक और अल्लाह के बीच सीधे संबंध को दर्शाने के लिए अरबी का एक शब्द। अधिक विशेष रूप से, इस्लाम में यह औपचारिक पाँच दैनिक प्रार्थनाओं को संदर्भित करता है और पूजा का सबसे महत्वपूर्ण रूप है।

·???? - कुरआन का अध्याय।

·?????? - कुरसी।

आयतुल कुरसी

आयतुल कुरसी[1], कुरआन की सबसे महानतम आयत, सूरह अल-बकरा की 255 वीं आयत है। इसे पढ़ने पर बड़ी कृपा होती है। पैगंबर (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने हमें हर अनविद्य नमाज के बाद

और सोने से पहले इसे पढ़ने का नरिदेश दिया है। आयतुल कुरसी शैतान के खिलाफ सबसे शक्तिशाली सुरक्षा है।

पाठ, लपियंतरण, अनुवाद और व्याख्या

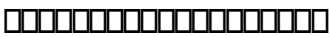
“अल्लाहु ला इलाहा इल्लाहु अल हय्युल कय्यूम ला तअखुजुहु सनितुव वला नौम लहू मा फसि सामावातविमा फ्रलि अरज़ मन ज़ल लज़ी यश फ़ऊ इन्दहू इल्ला बिइजनहि यअलमु मा बैना अयदी हमि वमा खल्फहुम वला युहीतूना बशिय इम मनि इल्मही इल्ला बमि शा..अ वसअि कुरसय्यु हुस समावतविल अरज़ वला यऊ दुहु हफिज़ुहुमा वहुवल अलय्युल अज़ीम” (क़ुरआन 2:255)



अल्लाहु ला इलाहा इल्लाहु

अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं

यह तौहीद अल-उलुहिया की पुष्टि है, कि उसके अलावा कोई ईश्वर नहीं है। उसके सिवा कोई पूजा का पात्र नहीं है। उसके अलावा या उसके साथ किसी की भी पूजा नहीं की जानी चाहिए। यही हमारे जीवन का उद्देश्य है और यही कारण है कि अल्लाह ने पैगंबरो को भेजा और पुस्तकें भेजीं। और अंत में, यह वह पहलू है जिसके बारे में हमें न्याय के दिन आंका जाएगा।



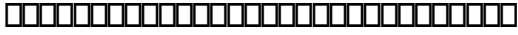
अल हय्युल कय्यूम

वह जीवति तथा नतिय स्थायी है

पूरण शाश्वत जीवन का स्वामी, जो जीवन से पहले था और उसका अस्तित्व कभी समाप्त नहीं होगा। वह पहला है जिसकी शुरुआत नहीं हुई, और अंत तक रहेगा बिना समाप्त के। उसके पहले या बाद में कुछ भी नहीं है। वह पूरे ब्रह्मांड को जीवन देता है, लेकिन कोई भी उसे जीवन नहीं देता है। उत्तम जीवन का अर्थ है कि उनके पास श्रवण, दृष्टि, शक्ति और ज्ञान जैसे उत्तम गुण हैं। उनका जीवन मानव जीवन जैसा नहीं है।

अल्लाह आत्मनरिभर है जो बाकी सब का पालन-पोषण करता है। वह न तो बदलता है और न ही मटिता है। अल्लाह के बिना सृष्टिका अस्तित्व नहीं हो सकता।

अल्लाह के सवि पूजी जाने वाली हर चीज़ न तो हमेशा रहने वाली है और न ही सृष्टि उस पर नरिभर है। बल्कि, वे अपने भरण-पोषण के लिए अल्लाह पर नरिभर हैं।



ला तअ'खुजुहू सनितुव वला नौम

उसे ऊंघ तथा नदिरा नहीं आती।

नींद और ऊंघ नरिमति प्राणियों पर हावी हो जाती है, लेकिन रचयिता न तो सोता है और न ही वह ऊंघता है। वह न थकता है और न वशिराम करता है। सृष्टिके वपिरीत, वह ऐसे दोषों से मुक्त है। उसका होना परपूरण है। उसके पास पूरणता और महमि का गुण है।



लहू मा फसि सामावातविमा फ़लि अर्ज़

आकाश और धरती में जो कुछ है, सब उसी का है

उनमें से और उनके बीच जो कुछ है, वह अल्लाह का है। वह परमप्रधान, प्रदाता, राजा, नियामक है। सारी सृष्टिउसके राज्य की प्रजा है, और वह उनके साथ जो चाहे कर सकता है। अल्लाह के अलावा पूजी जाने वाली वस्तुओं का किसी भी चीज़ पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही प्रभुत्व है।

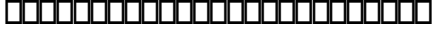


मन ज़ल लज़ी यश फ़ऊ इन्दहू इल्ला बिइजनहि

कौन है, जो उसके पास उसकी अनुमतिके बिना अनुशंसा (सफ़िरशि) कर सके?

कोई भी अल्लाह की अनुमति और प्रसन्नता के बिना किसी की ओर से हस्तक्षेप और किसी की वकालत नहीं कर सकता है। हर चीज़ पर अल्लाह का पूरा नियंत्रण है। मध्यस्थता अल्लाह की कृपा

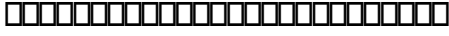
जसि प्रकार ईश्वरीय ज्ञान में समस्त सृष्टिसिमाहति है, उसी प्रकार कुरसी में सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड समाहति है। यही अल्लाह की महानता है।



वला यऊ दुहू हफिज़ुहुमा

उन दोनों की रक्षा उसे नहीं थकाती।

कुछ भी उसे कमजोर नहीं करता है। बड़ा हो या छोटा, आसान हो या मुश्किल, कम हो या ज्यादा, महान हो या वनिमूर - अल्लाह सबकी हफिज़त करता है और ऐसा करने में जरा भी नहीं थकाता है।



वहुवल अलयियुल अज़ीम

वही सर्वोच्च, महान है।

अल्लाह सर्वोच्च है; उसके ऊपर कुछ भी नहीं है, और कुछ भी उसके समान नहीं है। परमप्रधान सभी विरिण और समझ से ऊपर है। अल्लाह महमा और पवतिरता, पूर्णता और वैभव, सुंदरता और भव्यता का स्वामी है। अल्लाह से बड़ा कुछ नहीं है क्योंकि अल्लाह सर्वोच्च, महान है।

फुटनोट:

[1]

अल-कुरसी का छंद (कुरआन 2:255)

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/72>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।